मोमेंटम झारखण्ड के उद्घाटन सत्र में माननीय मुख्यमंत्री, श्री रघुवर दास का सम्बोधन

जोहार !

1. सदियों से हमारी संस्कृति को संभालकर रखने वाले, आजादी की लड़ाई में बलिदान देने वाले भगवान् बिरसा मुंडा, सिद्धो–कान्हू एवं वीर सपूतों की धरती पर आयोजित प्रथम मोमेंटम झारखण्ड वैश्विक निवेशक सम्मलेन के अवसर पर इस विशाल एवं वैश्विक जनसमूह का स्वागत करते हुए मैं असीम आनंद का अनुभव कर रहा हूँ। हम आभारी हैं उन व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों के, जिन्होंने झारखण्ड को विश्व भर के निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बनाने की हमारी यात्रा के पहले कदम से ही हमारा हाथ थामा है। आप सबकी यहां उपस्थिति हमें झारखण्ड को विकास पथ पर त्वरित गति से अग्रसर करने और आप सभी निवेशकों की इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रेरणा दे रही है। आज 16 फरवरी का दिन इसलिए भी अतिमहत्वपूर्ण है क्योंकि आज के ही दिन 105 वर्ष पूर्व, 16 फरवरी, 1912 को भारत के पहले स्टील बार का उत्पादन जमशेदपुर में किया गया था।

2. मैं, इस अवसर पर झारखण्ड की सवा तीन करोड़ लोगों की ओर से भारतीय राजनीति के सर्वाधिक लोकप्रिय व प्रेरणा स्रोत, जिनके जिम्मेदार हाथों में देश अपने को सुरक्षित महसूस करता है, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिनके द्वारा दिए गए मन्त्र "मेक इन इंडिया" से प्रेरणा लेकर हमने "मेक इन झारखण्ड" अभियान शुरू किया और उसी अभियान के आरंभिक चरण के तौर पर प्रथम मोमेंटम झारखण्ड वैश्विक निवेशक सम्मलेन में आपको संबोधित कर रहा हूं।

3. मैं स्वागत करता हूं हमारे मुख्य अतिथि भारत सरकार के माननीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामले मंत्री श्री अरुण जेटली जी का जिन्होंने हमारा आमंत्रण स्वीकार कर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। माननीय श्री अरूण जेटली जी देश की अर्थव्यवस्था को तीव्र विकास के पथ पर ले जा रहे हैं तथा उनके ''ट्रांसफार्म, इनर्जाइस एंड क्लीन इंडिया (TEC)'' के एजेन्डे के अनुरूप ही हम भी कार्य कर रहे है। विशेष रूप से, केन्द्रीय बजट में मध्यम एवं लघु उद्योग के विस्तार हेतु उन्होंने जो कदम उठाए हैं, निश्चित रूप से हमारे उद्योग भी उनसे लाभान्वित होंगे।

4. इस अवसर पर मैं भारत सरकार के शहरी विकास, आवास तथा शहरी गरीबी उन्मूलन तथा सूचना प्रसारण मंत्री, श्री वेंकैया नायडू जी, जहाजरानी, भूतल परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी एवं टेक्सटाइल मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी जी, ऊर्जा, कोयला एवं खान राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री पीयूष गोयल जी, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदर्शन भगत जी एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा जी का स्वागत करता हूं।

5. झारखण्ड को दुनिया का बेहतरीन निवेश योग्य राज्य बनाने की यात्रा के आरंभिक सहयोगी और इस विराट आयोजन के भागीदार राष्ट्रों जापान, मंगोलिया, ट्यूनीशिया और चेक गणराज्य के प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

6. हम अभिनन्दन करते हैं चेक गणराज्य के उद्योग एवं व्यापार मंत्रालय के माननीय स्टेट सेक्रेटरी, ऑस्ट्रेलिया के माननीय हाई कमिश्नर, चेक गणराज्य के माननीय राजदूत, जापान के माननीय राजदूत, मंगोलिया के माननीय राजदूत, ट्यूनीशिया के माननीय राजदूत एवं भारत में विदेशी कूटनीतिक मिशन के अन्य सदस्यों एवं प्रतिनिधियों का, जो हमारे आमंत्रण पर इस आयोजन में सहभागी बने हैं।

7. मैं व्यक्तिगत तौर पर अपने अतिथियों श्री रतन टाटा, श्री कुमार मंगलम बिड़ला, श्री गौतम अडानी, श्री नौशाद फोर्ब्स, श्री अनिल अग्रवाल, श्री पवन मुंजाल, श्री शशि रुईया, श्री सतीश पाई एवं श्री नवीन जिंदल के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जो इस मंच की शोभा बढ़ा रहे हैं और भारतीय उद्योग – व्यापार जगत के उन प्रमुखों के प्रति भी आभार प्रकट करता हूं, जो इस आयोजन में उपस्थित हैं।

8. मैं इस अवसर पर विशेष तौर पर मोमेंटम झारखण्ड के ब्रांड अम्बेसडर, झारखण्ड की माटी से निकलकर पूरी दुनिया में भारतीय क्रिकेट का लोहा मनवाने वाले टीम इंडिया के पूर्व कप्तान हमारे अपने माही और पूरे दुनिया के लिए श्री महेन्द्र सिंह धोनी का स्वागत करता हूँ।

9. इस अवसर पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों, प्रतिनिधियों एवं औद्योगिक – व्यापारिक संगठनों का, भारत सरकार और विभिन्न राज्यों से आये अधिकारियों और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के प्रतिनिधियों का भी मैं तहेदिल से स्वागत करता हूं।

10. मित्रों, झारखण्ड एक तेजी से उभरता हुआ युवा प्रदेश है जो लगातार भारत का सर्वाधिक विकसित और संपन्न राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है। यह प्रदेश संभावनाओं से भरा हुआ है, प्रकृति ने इस प्रदेश को दोनों हाथों से बेशुमार समृद्धि प्रदान की है। खनिज संपदा की दृष्टि से झारखण्ड दुनिया का सर्वाधिक संपन्न राज्य है, यहां भारत के कुल खनिज भण्डार का 40 प्रतिशत मौजूद है। यद्यपि झारखण्ड को इसके समृद्ध खनिज भण्डार एवं स्टील तथा ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए पहचाना जाता है लेकिन मेरे विचार से यहां की श्रम शक्ति इस प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है। **झारखण्ड की कुल जनसंख्या का 60 प्रतिशत श्रम योग्य आयु वर्ग का है, यहां की कुल जनसंख्या का 60 फीसदी 15 से 59 साल आयुवर्ग का है। झारखण्ड के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर Constant Price पर 12.1 प्रतिशत है और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि की दर 11.1 प्रतिशत है, जो हमारी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था का द्योतक है।**

11. हमारा राजकीय पशु हाथी उड़ रहा है। यह उड़ान असामान्य नहीं है। विपरीत परिस्थतियों को अवसर में बदलने का माद्दा है। यह हमारे सपनों की उड़ान है। यह उड़ान है सवा तीन करोड़ लोगों के सपनों की। हमारे उड़ते हाथी को पंख लगे हैं। वो भी हरे। हरा रंग प्रतीक है प्राकृतिक सम्पदाओं को सुरक्षित रखते हुए विकास के निरंतर प्रयास का। इसके नीले कान प्रदेश की शांति और सुंरक्षा के प्रतीक हैं। हाथी का लाल रंग समग्र विकास के प्रति हमारे जुनून को दिखाता है – क्रांति को दिखाता है, जहाँ सभी के सपनों में पंख लगे हों।

12. झारखण्ड में उपलब्ध संभावनाओं एवं इस राज्य की शक्ति को समझने के लिए यह जानना पर्याप्त होगा कि यहां देश का सर्वाधिक कोयला भण्डार मौजूद है। देश के कुल लौह अयस्क भण्डार के मामले में देश भर में हम दूसरा स्थान रखते हैं। देश के कुल स्टील उत्पादन में झारखण्ड 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाता है और तसर सिल्क उत्पादन में तो हम अकेले 62 प्रतिशत का योगदान देते हैं। इसके साथ ही, कृषि उत्पाद जैसे मटर उत्पादन में भी हम अग्रणी हैं। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हासिल करनेवाले राज्यों में झारखण्ड को 5 वां स्थान हासिल है और व्यापार सुगमता के मामले में भी देश के केवल छः राज्य ही हमसे आगे हैं।

13. अपने निवेश संवर्द्धन अभियान को गति देने हेतु हमने राज्य की नीतियों और प्रशासनिक व्यवस्था को निवेशकों के अनुकूल बनाने के सफल प्रयास किये हैं। हमने सबसे पहले सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाया, नीतियों का सरलीकरण किया और 16 नई नीतियाँ बनाईं, जिनमे प्रमुख हैं – अफोर्डेबल हाउसिंग, ऑटोमोबाइल एंड ऑटो कॉम्पोनेन्ट, बीपीओ – बीपीएम, एक्सपोर्ट पालिसी, फिल्म पालिसी, फिस्कल इनसेंटिवस स्कीम फॉर सेटिंग अप ऑफ मेडिकल इंस्टीट्यूशन्स, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री पालिसी, इंडस्ट्रियल पार्क पालिसी, स्टार्ट अप, इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन पालिसी और आईटी पालिसी। श्रम सुधार में भी झारखण्ड पिछले दो वर्षों में लगातार प्रथम स्थान पर कायम है। मैं बताना चाहूंगा कि झारखण्ड

देश का तीसरा राज्य है जिसने जीएसटी को अंगीकृत किया और इसके लागू होते ही हम इसके क्रियान्वयन हेतु तैयार हैं।

14. झारखण्ड में निवेश प्रोत्साहन अभियान को गति देने के लिए हमने झारखण्ड निवेश प्रोत्साहन बोर्ड एवं आईटी एडवाइजरी काउंसिल का गठन किया है और इनमे उद्योग – व्यापार जगत के प्रख्यात सफल नायकों को शामिल किया। इनके सहयोग और मार्गदर्शन से हमने राज्य में उद्योग – व्यापार के लिए मैत्रीपूर्ण वातावरण के निर्माण में सफलता पाई।

15. झारखण्ड की संभावनाओं से भारत और विश्व के उद्योग – व्यापार जगत को परिचित कराने और उन्हें झारखण्ड में निवेश के लिए आमंत्रित करने के लिए हमने मुम्बई, बंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली, कोलकाता आदि देश के प्रमुख महानगरों एवं संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर समेत कई देशों में रोड शोज का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इन रोड शोज में देश और दुनिया की चोटी की कंपनियों ने भागीदारी की और हमारे प्रयासों को समर्थन दिया। हमारे ये प्रयास कितने सफल रहे हैं यह बड़ी संख्या में आप सबों की उपस्थिति से ही प्रमाणित होता है।

16. झारखण्ड के समग्र विकास जिसमें जनता के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो–इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वच्छ, पारदर्शी तथा विकासोन्मुख सरकार के माध्यम से हम 'सबका साथ सबका विकास' के मूल मन्त्र को चरितार्थ करते हुए आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं विकसित झारखंड बनाने में जुटे हैं।

17. झारखण्ड में भी हमने इस बार देश में सबसे पहले बजट पेश करने का कीर्तिमान बनाया। बजट बनाने से पूर्व हमने आम जनता, उद्योग – व्यापार जगत, अर्थशास्त्रियों एवं अन्य विशेषज्ञों से व्यापक विचार विमर्श किया और उनके बहुमूल्य सुझावों को सम्मानजनक स्थान देते हुए हमने समावेशी विकास का लक्ष्य निर्धारित कर एक जनोपयोगी बजट पेश किया, जो गरीब कल्याण से प्रेरित है।

18. केंद्र सरकार का सहयोग झारखण्ड के विकास में निरंतर मिलता रहा है और आज के इस आयोजन में केन्द्रीय मंत्रियों की उपस्थिति इस बात का प्रतीक है कि आगे भी झारखण्ड की विकास यात्रा में केंद्र का सहयोग बना रहेगा।

19. यह एक उपयुक्त समय है जब आप झारखण्ड में निवेश के लिए आगे बढ़ सकते हैं। राज्य सरकार ने एक औद्योगिक माहौल विकसित किया है और अभी खनिज संसाधन, सुलभ श्रमशक्ति और प्रकृति प्रदत्त संसाधनों से संपन्न झारखण्ड में निवेश हेतु सर्वथा अनुकूल माहौल है। राज्य सरकार की निवेश के अनुकूल नीतियाँ निश्चय ही आपके प्रयासों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएंगी।

20. झारखण्ड सरकार निवेशकों के लिए हर तरह की सुविधाओं के साथ तत्पर है। औद्योगिक विकास के मद्देनजर विधि–व्यवस्था, औद्योगिक शान्ति व अन्य मापदंडों पर भी पूरी तैयारी कर रखी है। **निवेशकों के लिए भूमि बैंक उपलब्ध है, कुशल श्रम शक्ति की कोई कमी नहीं है। हमने दक्ष विशेषज्ञों की एक टीम गठित कर रखी है जो यहाँ निवेश करनेवाले उद्यमियों को हर कदम पर सहयोग करेगी।**

21. हम विकास का एक ऐसा मॉडल तैयार कर रहे हैं जिसमे औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में स्थानीय जनसमुदाय की पर्याप्त भागीदारी होगी और और वे राज्य के सामाजिक आर्थिक विकास की प्रक्रिया में एक प्रमुख हिस्सेदार के तौर पर हमेशा मौजूद रहेंगे। शायद यही सच्चे अर्थों में सबका साथ–सबका विकास है ।

22. हम योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक कार्यों में तकनीक का अधिकाधिक उपयोग कर रहे हैं। निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने और इसकी नियमित निगरानी के लिए हमने ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम बनाया है, हमने जन वितरण प्रणाली को सूचना तकनीक के उपयोग से बायोमीट्रिक सत्यापन द्वारा पारदर्शी बनाया है और **अब हम लेस कैश तथा डिजिटल झारखण्ड के निर्माण की दिशा में बढ़ रहे हैं।**

झारखण्ड की सभी पंचायतों को ब्रॉडबैंड संपर्क से जोड़ने की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

23. कृषि हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। झारखण्ड रासायनिक खाद का न्यूनतम उपयोग करने के बावजूद देश के सर्वाधिक सब्जी उत्पादक राज्यों में से एक है। हम माननीय प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित 2020 तक किसानों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग के लिए भी वचनबद्ध हैं। **झारखण्ड सरकार अपनी फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी के माध्यम से निवेशकों को फूड प्रोसेसिंग, डेयरी उद्योग, गोदामों एवं कोल्ड चैन के निर्माण आदि क्षेत्रों में निवेश के असीमित अवसर उपलब्ध कराने को तत्पर है।**

24. आधारभूत संरचना निर्माण निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने की पहली जरुरत है, इस तथ्य से हम भलीभांति अवगत हैं और इस दिशा में हमने काफी काम किया भी है। **आज, झारखण्ड में आधुनिक इंडस्ट्रियल कलस्टर, विश्व स्तर के इंडस्ट्रियल पार्क, सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, सैनिटेशन, पर्यावरण एवं पर्यटन संरचना के विकास आदि क्षेत्रों में निवेश की भरपूर गुंजाईश हैं।**

25. लोक निजी भागीदारी अन्तर्गत **राँची, बोकारो एवं धनबाद को जोड़ने हेतु एक्सप्रेस वे (Expressway) के निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। साथ ही, Industrial Corridor स्थापित करने के लिए राँची, धनबाद एवं जमशेदपुर को 6 लेन एक्सप्रेस वे निर्मित कर गोल्डन ट्रैंगल (Golden Triangle) स्थापित करने का भी प्रस्ताव है।**

26. हम विद्युत के क्षेत्र में भी निवेश प्राप्त करना चाहते है। झारखण्ड में विद्युत की अनुपलब्धता को देखते हुए अगले तीन वर्षों में व्यापक निवेश किए जाने की जरूरत है, ताकि हम बिजली के मामले में आत्मनिर्भर हो सके।

27. जैसा कि हमने पहले भी कहा, झारखण्ड को विरासत में विलक्षण प्राकृतिक सौन्दर्य मिला है। झारखण्ड की कला–संस्कृति और ग्राम्य जीवन की विविधता अन्यत्र दुर्लभ है। अब जबकि पर्यटन दुनिया

का तेजी से उभरता हुआ उद्योग बन चुका है, झारखण्ड में इस क्षेत्र में निवेश की सबसे ज्यादा संभावनाएं मौजूद हैं। झारखण्ड के नेतरहाट, मलूटी, बेतला, दलमा, पारसनाथ, इटखोरी, तथा राजधानी राँची के निकटवर्त्ती जल प्रपात जैसे स्थल पर्यटन उद्योग में निवेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त स्थान साबित हो रहे हैं।

28. झारखण्ड सरकार ने फिल्म नीति बनाकर देश और दुनिया भर के फिल्मकारों को इस राज्य में फिल्मों की शूटिंग के लिए आमंत्रित किया है और इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आये हैं। राजधानी रांची के समीप पतरातू में हम 200 एकड़ में फिल्म सिटी का निर्माण किया जा रहा है। स्पष्ट है फिल्म निर्माण अथवा फिल्म उद्योग के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना निर्माण के क्षेत्र में दिलचस्पी रखनेवालों के लिए भी यहां निवेश के पर्याप्त अवसर मौजूद हैं।

29. एक बार फिर, मैं सभी उपस्थित स्नेही अतिथियों और व्यापार – उद्योग जगत की नामचीन हस्तियों का अभिनन्दन करते हुए आप सबसे झारखण्ड की विकास यात्रा में सहयोग करने का अनुरोध करता हूँ। आप यहाँ आए और हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर झारखण्ड के विकास में सहभागी बनें। **हमने झारखण्ड निवेश प्रोत्साहन बोर्ड का भी गठन किया है, जो आपकी निवेश परियोजनाओं को कम–से–कम समय में धरातल पर उतारने में सहयोग करेगी।**

30. आप लोगों के विश्वास से उत्साहित होकर **मैं आज इस मंच से यह भी घोषणा करता हूँ कि दिनांक 28, 29 एवं 30 नवम्बर, 2018 को प्रवासी झारखण्डी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा तथा वर्ष 2019–20 में अगले Global Investors' Summit का आयोजन किया जाएगा।**

अन्त में .....

क्रांति के पुरोधा कवि रामधारी सिंह दिनकर की इन पंक्तियों के साथ मैं एक बार फिर आप सबके बीच झारखण्ड की सवा तीन करोड़ जनता का संकल्प दोहराना चाहूंगा :–

"है कौन विध्न ऐसा जग में
टिक सके जो आदमी के मग में
खम ठोंक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पांव उखड़
मानव जब जोर लगाता है
पत्थर पानी बन जाता है।"

धन्यवाद ! जोहार !